

पुष्प, अकाल पुष्प टि. एक धारणा प्रचलित है कि असमय विकसित पुष्प से अनिष्ट की आशंका होती है, अतः इसे अशुभ माना जाता है 2. वस्तु अथवा कार्य जो उपयुक्त काल से पहले या बाद में हो, बेसमय की चीज।

अकालग्रस्त वि. (तत्.) 1. दुर्भिक्ष पीड़ित, अकाल की चपेट में आया हुआ, जहाँ अकाल पड़ा हो, अकाल से पीड़ित टि. अतिवृष्टि अथवा अनावृष्टि तथा अन्य किन्हीं कारणों से फसल नष्ट होने की स्थिति को 'अकाल' अथवा 'दुर्भिक्ष' कहा जाता है।

अकालज वि. (तत्.) 1. नियत समय से पूर्व अथवा पश्चात उत्पन्न 2. कुसमय अथवा असमय में उत्पन्न (समस्या) आदि।

अकालजनद पुं. (तत्.) वर्षा-ऋतु से पूर्व अथवा पश्चात आने वाले मेघ, अकाल मेघ।

अकालजात वि. (तत्.) दे. अकालज।

अकालपक्व वि. (तत्.) 1. असमय पकने वाला (फल) आदि, बिना मौसम के पकने वाला 2. नियत/समय से पूर्व पक जाने वाला (फल) अथवा निश्चित समय से पहले तैयार हो जाने वाली फसल।

अकालपीड़ित वि. (तत्.) 1. अकाल (दुर्भिक्ष) का सताया हुआ 2. अकाल के कारण बहुत अधिक नुकसान उठाने वाला।

अकालपुरुष पुं. (तत्.) 1. कालातीत पुरुष, ऐसा पुरुष (परमात्मा) जिसे किसी काल-विशेष की सीमा में नहीं बाँधा जा सकता, महाकाल, परमेश्वर 2. सिख धर्म के अनुसार ईश्वर का एक विशेष नाम जो उनके द्वारा की जाने वाली 'अरदास' में आता है/सम्मिलित है।

अकालपुष्प पुं. (तत्.) दे. अकालकुसुम।

अकालपूर्ति स्त्री. (तत्.) 1. समय बीत जाने पर किसी अपेक्षा या कमी को पूरा करने की क्रिया या भाव 2. किसी रजिस्टर आदि में आवश्यकतानुसार कुछ लिखने या कोष्ठकादि को भरने की क्रिया नियत या उपयुक्त समय में न होने पर उसे

ठीक करने की प्रक्रिया 3. उपयुक्त समय व्यतीत हो जाने पर किसी की आवश्यकता पूरी करने के लिए उसे चीजें देना/ आपूर्ति करना।

अकालप्रसव पुं. (तत्.) सामान्य अवधि (9-10 मास) से पहले उत्पन्न हुआ शिशु, अकालप्रसव से जन्म लेने वाला शिशु।

अकालमृत्यु स्त्री. (तत्.) असमय मृत्यु, समय से पहले मृत्यु, असामयिक मौत।

अकालमेघ पुं. (तत्.) दे. अकालजनद।

अकालवृद्ध वि. (तत्.) अल्पायु में ही बूढ़ा जैसा हो जाने वाला, उपयुक्त समय से पूर्व ही वार्द्धक्य प्राप्त कर लेने वाला।

अकालवृष्टि स्त्री. (तत्.) नियत अथवा उपयुक्त (ठीक) समय से पहले या बाद में होने वाली वर्षा, बेमौसम बरसात।

अकालवेला स्त्री. (तत्.) 1. कार्यसिद्धि आदि की दृष्टि से अनुपयुक्त समय, अशुभ काल, कुसमय 2. अनवसर, गलत मौका 3. दुर्भिक्ष का समय।

अकालिक वि. (तत्.) 1. असमय में होने वाला, अपेक्षित समय के अनुसार न होने वाला, असमय, बेमौका, असामयिक 2. अवसर के प्रतिकूल, अनवसर।

अकाली पुं. (तत्.) 1. केशधारी सिक्खों का एक विशिष्ट संप्रदाय जो सैनिक संगठन के रूप में स्थापित किया गया था 2. उक्त संप्रदाय के सदस्य ये सिक्ख अपने सिर पर चक्र के साथ काले/ गहरे नीले रंग की पगड़ी बाँधे रहते हैं। नीली धारीदार वेशभूषा तथा शास्त्र आदि धारण करते हैं, उन्हें निहंग (अनियंत्रित) भी कहा जाता है।

अकिंचन वि. (तत्.) 1. जिसके पास कुछ भी न हो, निर्धन, दीन, दरिद्र, कंगाल 2. आवश्यकता से अधिक धन इकट्ठा न करने वाला।

अकिंचनता स्त्री. (तत्.) दरिद्रता, गरीबी, निर्धनता।

अकिंचनत्व पुं. (तत्.) 1. धन का अत्यधिक अभाव, अति निर्धनता, परम दरिद्रता, गरीबी 2. क्षुद्रता, तुच्छता 3. दीनता।